नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

मध्य प्रदेश : विकसित भारत का अग्रदूत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' विजन को वास्तविक धरातल पर उतारते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश को औद्योगिक नवाचार का राष्ट्रीय मॉडल बना दिया है. सुशासन, नीति-स्थिरता और पारदर्शिता के त्रिवेणी संगम से प्रदेश की आर्थिक रफ्तार को नई दिशा मिली है. ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में शीर्ष स्थान, 'टॉप अचीवर स्टेट' का राष्ट्रीय सम्मान, और हर जिले में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट इस परिवर्तन की ठोस मिसालें हैं. यह उपलब्धि केवल सरकारी पुरस्कार नहीं, बल्कि उस दीर्घदृष्टि का प्रमाण है जिसने राज्य को औद्योगिक, तकनीकी और निवेशीय दृष्टि से नई पहचान दी है.

डॉ. मोहन यादव का मानना है कि 'औद्योगिक विकास केवल शहरों में सीमित नहीं रहना चाहिए, यह हर जिले तक पहुंचाना चाहिए.' यही सोच विकेन्द्रीकरण के उस नए मॉडल में बदली है, जिसने विकास को जमीनी स्वरूप दिया है. रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और जिला-स्तरीय निवेश सम्मेलनों से उज्जैन, रीवा, सागर, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों में हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं. इससे रोजगार का विकेंद्रीकरण हुआ है, और ग्रामीण युवाओं को अपने ही क्षेत्र में अवसर मिलने लगे हैं. लघु और कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देकर राज्य ने 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को वास्तविक रूप दिया है.

टेक्नोलॉजी-फर्स्ट' दृष्टिकोण के तहत मध्य प्रदेश ने पारंपरिक उद्योगों से आगे बढ़ते हुए आईटी, फिनटेक, ड्रोन, एआई और अंतरिक्ष तकनीक जैसे क्षेत्रों में कदम रखा है. इंदौर में आयोजित 'टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' इसी नवाचार यात्रा का प्रतीक है. जनविश्वास बिल 2024 के माध्यम से नियमों को सरल बनाना, सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली को सशक्त करना, और पारदर्शिता को नीति का हिस्सा बनाना,इन सुधारों ने निवेशकों का भरोसा मज़बूत किया है. मुख्यमंत्री का दृष्टिकोण केवल निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास के लाभ को समाज तक पहुंचाने पर केंद्रित है. कौशल विकास मिशन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, और युवा उद्यमी कार्यक्रमों ने युवाओं को उद्योग से जोड़ा है. इससे उत्पादन, रोजगार, और आत्मनिर्भरता का एक समावेशी मॉडल तैयार हुआ है.

मुख्यमंत्री का स्पष्ट लक्ष्य है,2047 तक मध्य प्रदेश को भारत का सर्वाधिक आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी और उद्योगोन्मुख राज्य बनाना. इस दृष्टि के तीन स्तंभ हैं,स्पीड, स्केल, और स्किल. परियोजनाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन, निवेश-उत्पादन की वैश्विक प्रतिस्पर्धा, और विश्वस्तरीय मानव संसाधन निर्माण पर राज्य का ध्यान केंद्रित है.

दरअसल, मध्य प्रदेश का 'टॉप अचीवर स्टेट' बनना किसी एक पुरस्कार का परिणाम नहीं, बल्कि स्थिर नेतृत्व, स्पष्ट नीति, और सतत परिश्रम की परिणति है. डॉ. मोहन यादव ने सिद्ध किया है कि जब नेतृत्व का दृष्टिकोण जन-हितकारी और व्यावहारिक हो, तो सीमित संसाधनों के बावजूद विकास असंभव नहीं रहता. आज मध्य प्रदेश की पहचान बदल चुकी है,अब यह 'बिमारू' नहीं, बल्कि विकसित भारत का अग्रदूत है.

ग्वालियर चंबल डायरी

नेता पुत्रों ने यूथ कांग्रेस के रास्ते सियासत में मारी एंट्री

हरीश दुबे

यूथ कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष पद पर जहां प्रदेश के पूर्व मंत्री के पुत्र विराजे हैं वहीं ग्वालियर अंचल में भी नेता पुत्रों का दबदबा रहा है.पूर्व मंत्री बालेन्दु शुक्ला के भतीजे और विधायक साहब सिंह गुर्जर के बेटे युवक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव बने हैं.इसी के साथ प्रांजल तिवारी और सत्यम गुर्जर ने सियासत में एंट्री मारी है.ऐसी सूरत में भितरवार से कई बार विधायक और कमलनाथ की कैबिनेट में मंत्री रह चुके लाखन सिंह यादव कहां पीछे रहते, उन्होंने भी अपने बेटे अखिलेश को यूथ कांग्रेस का जिला महासचिव निर्वाचित करा दिया है.उनके भतीजे संजय यादव पहले ही यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और जिलाध्यक्ष रह चुके हैं.ग्वालियर में नेता पुत्र अभी तक भाजपा में ही छाए हुए थे, अब यह सिलसिला कांग्रेस में भी तेज हो गया है.

चंबल वालों की भी सीआर लिखेंगे बिहार के नतीजे

बिहार विधानसभा के चुनावों के नतीजे आने में अब चंद घंटे बाकी हैं. यह चुनाव बिहार के नेताओं के राजनीतिक भविष्य का तो निर्धारण करेंगे ही, ग्वालियर चंबल के भी भाजपा और कांग्रेस, दोनों दलों के तमाम बड़े नेताओं की कार्यक्षमता को भी नतीजों के पैमाने पर साबित करेंगे.सूबे के गृह मंत्री रह चुके डबरा के डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मगध देश में धुंआधार सभाएं लीं तो कई मर्तबा मिनिस्टर रह चुके और मौजूदा वक्त अजा मोर्चा के कौमी सदर की जिम्मेदारी संभाल रहे गोहद के लालसिंह आर्य भी अपने तबके के वोट बैंक को कमलमय करने जुटे रहे.ग्वालियर दक्षिण से विधायक रह चुके मप्र कांग्रेस के प्रदेश महासचिव प्रवीण पाठक भी पिछले कई हफ्तों से बिहार में ही डेरा डाले हुए थे और वहां चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद ही ग्वालियर लौटे हैं.बिहार में चुनाव प्रचार करने वाले इन सहित तमाम नेताओं को अब कल शुक्रवार को आने वाले नतीजों का इंतजार है.जाहिर है कि चंबल के ये नेता जिन विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, अगर वहां नतीजा अनुकूल रहता है तो पार्टी में उनके नम्बर बढ़ेंगे ही.

गलती से मिस्टेक हो गई...

भाजपा के मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति में जातिगत असंतुलन के आरोप लग रहे हैं.लिहाजा कार्यकर्ताओं में रोष उमड़ रहा है.दरअसल, ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में एक भी मंडल अध्यक्ष क्षत्रिय, वैश्य एवं एससी वर्ग से नही बनाया गया है.ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 6 मंडल अध्यक्ष हैं जिसमे एक भी मंडल अध्यक्ष इन वर्गों से नही है, जबकि इस विधानसभा क्षेत्र में इन्हीं तबकों का बाहुल्य है. बात शुरू हुई है तो ऊपर तलक पहुंची है और कहा जा रहा है कि गलती से मिस्टेक हो गई है जिसे दुरुस्त भी कर लिया जाएगा.

मौत बेचने की हड़बड़ी में बेनकाब सोशल मीडिया

लाइक्स पाने की होड़ में किसी भी हद तक गिरना है

आज का टीवी और डिजिटल मीडिया जल्दी से जल्दी अपने सुपरहीरो की लोकप्रियता का फायदा, अपने व्यासायिक हितों के तौर पर करना चाहता है. आज का डिजिटल और टीवी मीडिया सबसे आगे निकलने की होड़ में और किसी चीज की परवाह नहीं करता, फिर चाहे वह किसी की प्रतिष्ठा ही क्यों न हो. इसलिए बीते दिन विभिन्न टीवी चैनलों और लाइव टेलीकास्ट करने वाली मीडिया एजेंसियों ने जिस तरह से बार-बार धर्मेंद्र की मौत की ब्रेकिंग न्यूज दी, वह सिचुएशन को अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश का हिस्सा है.

गत 11 नवंबर को परिवार के बार-बार खंडन करने के बावजूद मौत बेचने को बेकरार टीवी और सोशल मीडिया ने जिस तरह बीते जमाने के सुपरस्टार धर्मेंद्र की मौत की झूठी खबरें चलाई, वह इस तीव्र और आधुनिक मीडिया की फूहड़ता और अनैतिक अधीरता का सबसे बड़ा नमूना था. 'धर्मेंद्र चले गए', 'नहीं रहे बॉलीवुड के पहले ही-मैन' जैसी ब्रेकिंग न्यूज जिस तरह लगातार करीब 1,000 वेबसाइटों और दर्जनों टीवी चैनलों में बार-बार आती रही न वह न सिर्फ अपमानजनक, हास्यास्पद बल्कि बेहद डरावनी थी. एक जमाने में कहा जाता था कि मीडिया समाज का आईना है. मगर तीव्रता के नाम पर टीवी और डिजिटल मीडिया झूठ को चमकाकर आईना बना देने पर तुले हैं. सोशल मीडिया जो शुरुआत में जनता की आवाज कहलाता था, आज लाइक्स और सब्सक्रिप्शन पाने की होड़ में किसी भी हद तक गिर सकता है, यहां संवेदना नहीं, सनसनी बिकती है.

धर्मेंद्र की मौत की 11 नवंबर को जिस तरह पूरे दिन झूठी खबरें चलाई गई, वह क्लिक और व्यूज के खतरनाक और बेहिचक आपराधिक नजरिए का नमूना है. डिजिटल मीडिया में खबर से ज्यादा जरूरी है, सबसे पहले होना. धर्मेंद्र के निधन की अफवाह इसी होड़ की हड़बड़ी का नतीजा थी. सोशल मीडिया पर चंद मिनटों में लाखों लाख जिस तरह से धर्मेंद्र की मौत के पेज निर्मित हो गए और उन्हें अभिनेता के लिए झूठी संवेदनाओं से रंग दिए गए, वह बेहद खतरनाक है. कुछ मीडिया चैनल और न्यूज पोर्टल धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी और बेटी ईशा देओल के इस स्पष्टीकरण के बावजूद कि धर्मेंद्र की हालत स्थिर है और वह इलाज को उचित रिस्पांस दे रहे हैं, इसके बावजूद डिजिटल मीडिया में शाम तक धर्मेंद्र के न रहने की खबरें आती रहीं. कुछ ने तो बड़े-बड़े श्रद्धांजलि वीडियो भी दिखा दिए. जब खुद धर्मेंद्र ने कैमरा के सामने आकर मुस्कुराते हुए कहा, भाई अभी तो जिंदा हूं, तब कहीं जाकर यह तेज और दिखाऊ मीडिया शांत हुआ. वास्तव में सोशल मीडिया इस व्यवसाय का सबसे सस्ता संस्करण बन चुका है, जो मौत को महज एक बेहतर और सनसनीखेज कंटेंट मानती है.

इसके पहले भी सोशल मीडिया और टीवी मीडिया दिलीप कुमार और लता मंगेशकर की मौतों का तमाशा बना चुकी हैं. अमिताभ बच्चन और रजनीकांत जैसे लोकप्रिय कलाकारों की मौत की ब्रेकिंग खबरें बनाकर बेशर्मी से दोनों हाथ कमाई कर चुकी हैं. दिन पर दिन जिस तरह से सोशल मीडिया हर भावनात्मक मुद्दे को भुनाने के फिराक में अफरा-तफरी मचाने से बाज नहीं आता, इससे पता चलता है कि आने वाले दिनों में किस तरह आधुनिक मीडिया भावनाओं की लाशों पर एंगेजमेंट का कारोबार बनकर रह जाएगा.

धर्मेंद्र बॉलीवुड के बहुत से अभिनेताओं में से एक नहीं हैं, वह बॉलीवुड के सबसे मानवीय चेहरों में से एक हैं. गांव की मिट्टी और मासूम सपनों को लेकर मुंबई पहुंचे धर्मेंद्र ने अपनी इन्हीं खूबियों के चलते हिंदी सिनेमा को अपना दीवाना बना लिया.

1960 के रोमांटिक दौर में 'फूल और पत्थर' जैसी फिल्मों में जिस नायकत्व की परिभाषा गढ़ी, वह न तो शुद्ध 'माचो' थी और न ही केवल रोमांस का एक पक्ष थी. ऐसे हीरो का देश के घर-घर का चहेता होना ही था. इसलिए धर्मेंद्र की इज्जत न सिर्फ 60-70 और 80 के दशक की फिल्म देखने वाली पीढ़ियों में है बल्कि उन पीढ़ियों में भी धर्मेंद्र की विराट अभिनय क्षमता के लिए सम्मान है, जिसने उन्हें पर्दे में गहन इंतजार के बाद नहीं देखा बल्कि मनोरंजन के क्रम में देखा है. यह पीढ़ी भी धर्मेंद्र की बहुस्तरीय प्रतिभा का एहसास करती है और रोमांचित रहती है.

-वीना गौतम

मेला की राह से दूर हो रही अड़चनें

मेला प्राधिकरण और प्रशासन द्वारा सकारात्मक रुख अपनाए जाने के बाद इस वर्ष के ग्वालियर व्यापार मेला पर छाया अनिश्चितता का कुहासा अब छंटता जा रहा है.दरअसल, पिछले साल के मेला में दुकानें लगाने वाले दुकानदारों में से आठसौ व्यापारियों के नाम मेला पोर्टल पर दिख ही नहीं रहे, व्यापारियों को यह चिंता सता रही थीं कि मेला प्राधिकरण कहीं मेला की दुकानों को सीधे आवंटित करने के बजाए नीलामी या टेंडरिंग करने की प्लानिंग में तो नहीं है.दुकानदार फौरन एलर्ट हो गए, सीएम, सिंधिया, नरेंद्र सिंह से लेकर प्रशासन पर पकड़ रखने वाले हर असरदार नेता के घर और दफ्तर पर ढोक लगाई गई.इस दौड़धूप का असर यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर मेले की अहम जिम्मेदारी संभालने वाले संभागीय आयुक्त की ओर से मेला व्यापारियों को अब यह पक्का भरोसा मिल गया है कि 14 या 15 नवंबर तक उन सभी मेला व्यापारियों की दुकानें पोर्टल पर .दिखने लगेंगी, जिन्होंने 2024 के मेला में दुकानें लगाई थीं .दुकानें मेला पोर्टल पर आते ही ऑनलाइन किराया जमा होगा, इसी के साथ दुकानें सजने, संवरने लगेंगी.

-वीना गौतम

डॉक्टर की शक्ल में क्रूर आतंकवादी

अब तक आम तौर पर यही धारणा रही है कि पाकिस्तान अनपढ़, देहाती, बेरोजगार युवकों को ब्रेनवॉश कर भारत के विरुध्द उकसाता और ट्रेनिंग देकर आतंकवादी बनाता है. 26/11 हमले का आतंकी कसाब इसी प्रकार का था. लेकिन अब सनसनीखेज तथ्य सभी के सामने है कि दिल्ली कार धमाके के आतंकी मॉड्युल के 8 टेररिस्ट में से 6 डॉक्टर थे. कोई सोच भी नहीं सकता कि पढ़े-लिखे, सफेदपोश और डॉक्टरी का पेशा करने वाले भी आतंकी हो सकते हैं. डॉक्टर का काम जीवनदान देना होता है, बेगुनाहों की जान लेना नहीं. पढ़-लिखकर भी यह विवेकहीन रहे. जिस थाली में खाया, उसी में छेद किया. इनमें 3 डॉक्टर पुलवामा, 1 काजीगुंड (कश्मीर) का था और 1 महिला डॉक्टर लखनऊ की थी. जांच में पाकिस्तान और तुर्किए की साजिश सामने आ रही है. अक्टूबर में श्रीनगर में लगाए गए जैश-ए-मोहम्मद के धमकी वाले पोस्टर, दिल्ली में विमान संचालन में तकनीकी दिक्कत, फरीदाबाद में विस्फोटकों की बरामदगी और शाम को दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार धमाका इन चारों घटनाक्रमों को एक-दूसरे से जोड़ा जा रहा है. डॉक्टर आदिल अहमद ने जैश के पोस्टर लगाए थे. उसे पाकिस्तानी हैंडलर ऑपरेट कर रहे थे. लखनऊ की डॉक्टर शाहीन आतंकी सरगना मसूद अजहर की बहन के संपर्क में थी. पाकिस्तानी हैंडलर उसे महिलाओं की भर्ती बढ़ाने और आतंकी गतिविधियों में शामिल करने का निर्देश दे रहा था. कुछ डॉक्टर तुर्किए भी गए थे. तुर्किए भी पाकिस्तान का कट्टर समर्थक और भारत विरोधी देश है. गिरफ्तार डॉक्टरों का संपर्क पाकिस्तान व अन्य देशों में बैठे आतंकी सरगनाओं से रहा है. जिनका ताल्लुक आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद और अंसार-गजवा-उल-हिंद से जुड़ा है. इन आतंकवादी डॉक्टरों का काम सेना के जवानों के खिलाफ सार्वजनिक धमकियां देना, मेडिकल प्रोफेशन की आड़ में आतंकियों के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट, ट्रांसपोर्टेशन व फाइनेंशियल चैनल तैयार करना था. आतंकवाद अब स्लीपर सेल और मॉड्युल के जरिए चल रहा है. जिसे पहचान पाना कठिन है. इन्हें पाकिस्तानी हैंडलर कभी भी एक्टिवेट कर देते हैं.

निशानेबाज

फिल्म से राजनीति तक रेखा दिल्ली ने वादाखिलाफी को देखा

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, रेखा गणित या जॉमेट्री के बारे में आपकी क्या राय है?'

हमने कहा, 'रेखा कहां नहीं है। फिल्म से लेकर राजनीति तक आपको रेखा मिल जाएंगी. 75 साल की रेखा आज भी युवा नजर आती हैं. उनकी अमिताभ बच्चन के साथ फिल्मी जोड़ी लोगों ने मि. नटवरलाल, खून-पसीना, मुकद्दर का सिकंदर जैसी कितनी ही मूवीज में देखी थी. रेखा गणित में 3 रेखा मिलने से त्रिकोण बनता है. फिल्म 'सिलसिला' में अमिताभ बच्चन, जया बच्चन और रेखा का प्रेम त्रिकोण था. एक तरफ पत्नी थी तो दूसरी तरफ प्रेमिका ! रेखा कांजीवरम साड़ी पहनती हैं और मांग में सिंदूर भरती हैं. फिल्म उमराव जान में रेखा ने लाजवाब अभिनय किया था.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, फिल्मों में बिंदु खलनायिका रही हैं और रेखा नायिका. कहते हैं कि जब कई बिंदु मिल जाते हैं तो रेखा बन जाती है. फिल्मों में प्रेम है तो रेखा गणित में प्रमेय. यदि राजनीति की चर्चा करें तो दिल्ली में बीजेपी की रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री हैं. वहां का हर पार्टी कार्यकर्ता उनकी प्रशंसा करते हुए गा सकता है- रेखा ओ रेखा, मैंने तुझे देखा!'

हमने कहा, 'रेखा गुप्ता का ज्यादा गुणगान मत कीजिए, उनकी पार्टी ने दिल्लीवासियों से वादाखिलाफी की है. बीजेपी ने अपने चुनावी संकल्प पत्र में वादे किए थे जो अधूरे पड़े हैं. अभी तक न तो महिलाओं को 2,500 रुपए मासिक की पेंशन मिली है, न ही बुजुर्गों की पेंशन शुरू हुई है. न महिलाओं का पिंक कार्ड बना है, न होली-दिवाली पर 500 रुपए में गैस सिलेंडर मिले हैं. न स्कूल फीस पर लगाम लगी है और न प्रदूषण पर नियंत्रण लगा है. बसों का संकट और जलसंकट बढ़ा है. रेखा गुप्ता अब तक खुद को सफल और सक्षम मुख्यमंत्री साबित नहीं कर पाई.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, लगता है आप केजरीवाल सरकार के शराब घोटाले को भूल गए. उनकी मोहल्ला क्लीनिक योजना में डॉक्टर के दर्शन दुर्लभ थे. केजरीवाल काम कम करते थे, दिखावा ज्यादा करते थे. रेखा गुप्ता समय के साथ अपनी उपयोगिता साबित कर देंगी. रेखा सरल होती है तो कभी टेढ़ी-मेढ़ी या वक्र भी होती है. उम्मीद कीजिए कि वह दिल्ली के भाग्य चक्र को सुधार देंगी.'

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12080 -डॉ. सागर खादीवाला

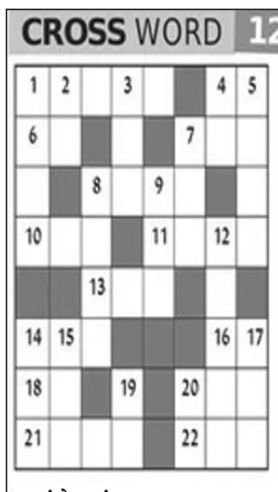

ऊपर से नीचे

1. तुल्य, एक-सा, लगातार 2. योद्धा, वीर 3. वृषभानु गोप की कन्या, कृष्ण की सखी (सं.) 4. सितार जैसा एक वाद्य यंत्र जो सब वाद्यों में श्रेष्ठ माना जाता है 5. पवित्र इस्लामी माह जिसमें मुसलमान रोजे रखते हैं 7. प्रेम, प्रेमपूर्वक की हुई प्रार्थना (सं.) रू. अचानक, सहसा 9. धोबी (सं.) 12. मसनद 14. वह वस्तु जिस पर बैठा जाए, बैठने की विधि 15. मांगने वाला, भिखारी 17. स्वदेश, जन्मभूमि (उर्दू) 19. पीड़ा, दुख-दर्द, सोमवार का दिन, बुजुर्ग 20. इंद्र का वज्र, लोहे की जंजीर, नियमित रूप से हल जोतने की क्रिया (सं.)

बाएं से दाएं

1. कायम, स्थिर, बहाल, दृढ़ (उर्दू) 4. बहादुर 6. राजा की पत्नी 7. नमस्कार, हाथ जोड़कर किया जाने वाला अभिवादन 8. बिना वजह 10. रत्ती भर, बहुत थोड़ा (सं.) 11. विजय गान 13. यादगार, वह काम या रचना जो किसी की स्मृति बनाए रखने के लिए हो (सं.) 14. व्यापार के निमित्त बाहर से आया हुआ माल 16. तुम्हारा (सं.) 18. सत्य, वास्तविक 20. जिसे संदेह हुआ हो, भयभीत 21. गर्मी के दिनों में नाक से अपने आप रक्त बहने का रोग 22. वर्णन, वक्तव्य, हाल, विवरण, वृतांत (उर्दू)

Solution 12079

सं	भो	ज	न	■	च	मं	न
यो	गी	■	र	वि	■	दी	दी
ज	■	अ	■	घ	ट	ना	■
न	र	मा	ह	ट	■	■	दी
■	■	व	ज	न	■	फ	न
■	क	स	म	■	स	■	द
ना	य	■	■	ब	हे	लि	या
म	च	ल	ना	■	ली	■	लु

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, यात्रा का योग है, व्यय में कमी होगी, व्यवसाय में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में परिश्रम के उपरांत आंशिक सफलता प्राप्त होगी, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, अत्याधिक व्यय होगा, वर्षके अन्त में राजनैतिक लाभ के योग हैं, व्यवसाय में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को परिश्रम के उपरांत लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम करना पडेगा, पर लाभ कम होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक लाभ होगा,सिंह राशि के व्यक्तियों को सहयोग रहेगा, मकर और कुंभ राशि की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अच्छे लाभ का योग है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सहयोग प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक हंसमुख, मिलनसार, होगा, खेलकूद के प्रति अधिक रूचि रखेगा, स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा, बचपन में आकस्मिक कष्ट होगा, बाद में अच्छा रहेगा, भूमि भवन संबंधी कार्यो में रूचि रहेगी, जन्म स्थान से दूर उन्नति होगी.

मेष- दिखावे के चक्कर में कर्ज हो सकता है, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, शासकीय कार्यो की पूर्ति होगी, अनावश्यक विवाद को टालना हितकर रहेगा.

वृषभ- नए संपर्को से लाभ मिलेगा, सत्कार्यो में खर्च होगा, फैसला बदलना पड़ सकता है, दूर की यात्रा में सावधानी रखें, संतान का सुख मिलेगा.

मिथुन- जटिल कार्य अब सहज ही पूरे होंगे, जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढ़ जायेगी, मान सम्मान में वृद्धि होगी, विरोधी वर्ग मित्र का कार्य करेंगें.

कर्क- दुविधा में अनुभवी लोगों की सलाह लाभदायी रहेगी, घर की साज सज्जा पर खर्च होगा, पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा, किया गयाप्रयास सफल होगा.

सिंह- विरोधी खुलकर विरोध करेंगे, रोजगार के नये नये अवसर मिलेंगे. आर्थिक कार्यो में यथेष्ट सावधानी रखें, मन में विशेष हर्ष बना रहेगा.

कन्या- भावनात्मक संबंधों में चल रहा गतिरोध दूर होगा, सामूहिक कार्य में सबकी सलाह अवश्य लें, पारिवारिक निकटता आयेगी, सुखद समाचार रहेगा.

तुला- खानपान की लापरवाही से सेहत बिगड़ सकती है, जोश में आकर गलती कर सकते हैं धन मान-सम्मान एवं यश की प्राप्ति होगी, पुराना पैसा मिलेगा.

वृश्चिक- कार्यक्षेत्र की उलझनें दूर होंगी, आय के नये स्तोत्र बनेंगे, समस्या का समाधान सरलता से होगा, नई मित्रता उपयोगी रहेगी.

धनु- भाग्य के भरोसे अच्छे अवसर गंवा सकते हैं, मनमौजी रवैया तरक्की में बाधक बनेगा, आपसी तनाव से परेशानी होगी, ऐसी बात मालुम होगी, जिससे खुशी होगी.

मकर- भावुकता पर नियंत्रण रखें, लोग गलत समझ सकते हैं, किसी कामना की पूर्ति होगी, रोजगार के नये नये अवसर मिलेंगे. लेनदेन में यथेष्ट सावधानी रखें.

कुम्भ- नई योजना की शुरूआत में परेशानी होगी, युवाओं कोसर्विस के अवसर मिलेंगे, दायित्वों की पूर्ति होगी, जीवनसाथी से मतभेद हो सकता है.

मीन- उच्च अध्ययन के लिये बाहर जाने का अवसर मिलेगा, बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर खर्च होगा, महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी, अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करें.

उदयकालीन ग्रह चाल

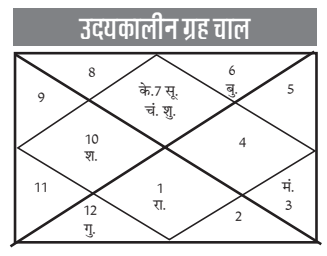

पंचांग

रा.मि. 23 संवत् 2082 मार्गशीर्ष कृष्ण दशमीं भृगुवासरे रात 3/47, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्रे रात 1/6, ऐन्द्र योगे दिन 11/20, वणिज करणे सू.उ. 6/36, सू.अ. 5/24, चन्द्रचार सिंह, शु.रा. 5, 7, 8, 11, 12, 3 अ.रा. 6, 9, 10, 1, 2, 4 शुभांक- 7, 9, 3.

व्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष कृष्ण दशमीं को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से तांबा, चांदी, लोहा, सीमेंट, आदि के भाव में तेजी होगी, तिल, तेल, सरसों, मूँगफली, जौ, गेहूँ, शक्कर, कपास, में घटबढ़ रहेगी. भाग्यांक 8554 है.

SUDOKU 7212

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7211

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1